गर्भाशय कैंसर के बारे में सम्पूर्ण जानकारी - गाइड टू यूटेरिन कैंसर

1. यह क्या है? What Is It?

गर्भाशय कैंसर बच्चेदानी में होने वाला कैंसर है। बच्चेदानी नाशपाती के आकार का अंग है जहाँ बच्चा पलता है। इसमें मुख्यतः दो जगह कैंसर होता है और (केस %90) हैं कहते एंडोमेट्रियम जिसे परत की अंदर – ।(केस %10) हैं कहते मायोमेट्रियम जिसे मांसपेशी की बाहर

अमेरिका में हर साल 60,000 से अधिक महिलाओं में यह पाया जाता है। भारत में भी मोटापे के कारण इसके केस बढ़ रहे हैं। यह ज्यादातर मेनोपॉज के बाद 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं में होता है, लेकिन आजकल कम उम्र में भी देखा जा रहा है। समय पर पता चलने पर 90% से अधिक ठीक हो सकता है।

2. आपके जीन्स - Your Genes

ज्यादातर महिलाओं नही कारण अनुवांशिक कोई का कैंसर गर्भाशय में (%95)ं होता।

लेकिन कुछ परिवारों में लिंच सिंड्रोम जिसमें ,है होती बीमारी अनुवांशिक नामक (Lynch Syndrome) खतरा का कैंसर गर्भाशय में महिलाओं ऐसी है। होती खराबी में जीन्स 2PMS ,6MSH ,2MSH ,1MLH %60–40तक होता हैहोता अधिक भी खतरा का कैंसर के अंडाशय और आंत ही साथ , है।

जीन्स में खराबी का मतलब यह नहीं कि आपको कैंसर जरूर होगा है। रहना सतर्क ज्यादा आपको बल्कि , हो हुआ कैंसर का अंडाशय या आंत ,गर्भाशय पहले से साल 50 को बहन ,माँ में परिवार आपके अगर बायोप् साल हर से उम्र की साल 35–30 को महिलाओं ऐसी बताएं। जरूर को डॉक्टर तोसी और जांच की सलाह दी जाती है।

3. शुरुआती लक्षण - Early Signs

यह कैंसर शुरुआती लक्षण जल्दी दिखा देता हैहै। सकता जा पकड़ा पर समय इसलिए ,

- यदि आपका मेनोपॉज नहीं हुआ है और दो माहवारी के बीच में खून आ रहा है, या लाल, गुलाबी या सफ़ेद पानी जैसा स्राव हो रहा है, तो डॉक्टर से मिलें।

- यदि आपका मेनोपॉज हो चुका है और अब कभी भी, एक बार भी, एक बूंद भी खून या धब्बा दिखे तो यह सामान्य नहीं है। मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग कभी भी सामान्य नहीं होती, इसकी जांच जरूरी है।

यह टपकते नल के समान है यह है। महत्वपूर्ण भी बूंद एक – कैंसर के अलावा पॉलिप या अन्य कारण से भी हो सकता हैहै। अनिवार्य कराना जांच पर ,

4. अन्य लक्षण - Other Symptoms

अपने डॉक्टर को बताएं यदि आपको ये हैं:

- पेल्विस में दर्द (दोनों कूल्हों के बीच के हिस्से में)

- बिना कोशिश के वजन कम होना

- संभोग के दौरान दर्द होना

- पेशाब करने में कठिनाई या जलन होना

- पेट के नीचे गांठ महसूस होना या बदबूदार सफ़ेद पानी आना

कैंसर के बढ़ने या फैलने से पहले पता चलना सबसे अच्छा हैनहीं। टालें को चेकअप इसलिए ,

5. जांच कैसे होती है? How It's Diagnosed & Has It Spread?

डॉक्टर आपको अल्ट्रासाउंड मेनोपॉज है। सकता जा देखा अंदर के बच्चेदानी जिससे कहेंगे को कराने (TVS) mm4 परत की अंदर बाद केसे अधिक हो तो संदिग्ध है।

बेहतर देखने के लिए योनि के रास्ते एक पतली रोशनी वाली ट्यूब सकती जा डाली अंदर (हिस्टेरोस्कोपी) यह ,नहीं या है कैंसर पर है।पक्का करने का सबसे अच्छा तरीका बायोप्सी है की अंदर की बच्चेदानी – है। जाती की जांच से माइक्रोस्कोप लेकर टुकड़ा सा छोटा से परत

यदि कैंसर निकले तो यह पता करने के लिए कि क्या यह फैला है:हैं कराते जांचें ये डॉक्टर ,

- MRI Scan - मैग्नेट और रेडियो तरंगों से विस्तृत चित्र

- CT Scan - अलग-अलग एंगल से X-ray लेकर पूरी तस्वीर बनाना

- लिम्फ नोड्स की जांच - ये गर्दन, बगल, जांघ में स्थित छोटी ग्रंथियां हैं जहां कैंसर फैल सकता है।

6. गर्भाशय कैंसर की स्टेजिंग - Uterine Cancer Staging [FIGO 2023]

स्टेज से ही इलाज तय होता है:

- *स्टेज I:* कैंसर केवल बच्चेदानी तक सीमित है। IA - 50% से कम मांसपेशी में, IB - 50% से अधिक मांसपेशी में।

- *स्टेज II:* कैंसर बच्चेदानी के मुंह (Cervix) तक फैला है।

- *स्टेज III:* बच्चेदानी के बाहर परन्तु पेल्विस के अंदर - अंडाशय, योनि या लिम्फ नोड्स में।

- *स्टेज IV:* मूत्राशय, आंत या दूर के अंगों जैसे फेफड़े, लिवर में फैल गया है।

7. सर्जरी - Surgery

आपके डॉक्टर संभवतः बच्चेदानी को निकालने की सलाह देंगे। इस प्रक्रिया को हिस्टेरेक्टॉमी कहते हैं। बच्चेदानी को योनि के रास्ते या पेट से दूरबीन द्वारा निकाला जाता है। साथ में दोनों अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब भी निकाली जाती हैं। यदि कैंसर फैल गया है तो आसपास की लिम्फ ग्रंथियां भी निकाली जाती हैं।

8. रेडिएशन - Radiation

सर्जरी के बाद बचे हुए कैंसर सेल्स को मारने के लिए रेडिएशन दी जा सकती है। यदि सर्जरी संभव न हो तो भी यह विकल्प है। इसमें योनि के अंदर रेडियोधर्मी सिलेंडर रखा जाता है बाहर या (ब्रेकीथेरेपी) D3 नई अब हैं। जाती दी किरणें की ऊर्जा उच्च द्वारा मशीन सेतकनीक से ट्यूमर के आकार की ही बीम दी जाती है जिससे सामान्य अंग सुरक्षित रहते हैं।

9. हार्मोन थेरेपी - Hormone Therapy

शरीर में एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन यूटेरिन कैंसर को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इसे रोकने के लिए प्रोजेस्टिन , LHRH ,टैमोक्सीफेनएनालॉग करके ब्लॉक को हार्मोन जो हैं जाती दी दवाएं जैसी इनहिबिटर एरोमाटेज ,

हैं। करती धीमा को वृद्धि की ट्यूमरइसके साइड इफेक्ट्स मेनोपॉज जैसे हो सकते हैं ,लगना गर्मी जैसे - सूखापन। में योनि या बढ़ना वजन

10. इम्यूनोथेरेपी - Immunotherapy

यह नया और प्रभावी इलाज है। ये दवाएं आपके शरीर की अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कैंसर को ढूंढकर मारने में मदद करती हैं। शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली में सामान्य जो हैं होते "चेकपॉइंट" चेकपॉइंट इम्यून है। उठाता फायदा का चेकपॉइंट इन कैंसर हैं। रोकते से मारने से गलती को कोशिकाओं (Dostarlimab ,Pembrolizumab जैसे) इनहिबिटरइन चेकपॉइंट को टारगेट करके कैंसर के खिलाफ लड़ाई शुरू करते हैं। यह गंभीर या दोबारा होने वाले एंडोमेट्रियल कैंसर में बहुत कारगर है।

11. टारगेटेड थेरेपी - Targeted Therapy

यह कीमोथेरेपी से अलग है। यह दवाएं कैंसर कोशिका के अंदर की खास खराबी को ही टारगेट करती हैं, का Pembrolizumab +Lenvatinib - जैसे है। होता नुकसान कम को कोशिकाओं सामान्य mTOR ,कॉम्बिनेशनइनहिबिटरहैं। होती उपयोग में स्टेज एडवांस्ड यह दवाएं। टारगेटेड 2HER ,

12. क्लिनिकल ट्रायल्स - Clinical Trials

क्या कोई नया इलाज ट्रायल में है क्लिनिकल कई लिए के कैंसर गर्भाशय में भर दुनिया सहित भारत ? या है एडवांस्ड कैंसर आपका यदि पर। दवाओं टारगेटेड ,वैक्सीन ,इम्यूनोथेरेपी नई - हैं रहे चल ट्रायल्स पूछ में बारे के ट्रायल क्लिनिकल से डॉक्टर अपने आप तो ,है रहा हो नहीं ठीक से इलाज सामान्य है। जाती दी जानकारी इसकी भी में कॉलेज मेडिकल जैसे RDGMC हैं। सकती

13. सेक्स लाइफ पर असर - Sex Life

कई महिलाओं के मन में सवाल होता है 8-6 बाद के सर्जरी ?रहेगी कैसी लाइफ सेक्स बाद के इलाज - जिसके ,है सकता आ कसाव या सूखापन में योनि बाद के रेडिएशन है। होता बचना से गसंभो तक हफ्ते र भावनात्मक है। सकती जा ली मदद की डायलेटर वजाइनल और लुब्रिकेंट लिएूप से भी असर पड़ता है। अपने पार्टनर से खुलकर बात करें और डॉक्टर से सलाह लें है। संभव से फिर जीवन सेक्स सामान्य -

14. गर्भावस्था के बारे में - About Pregnancy

यदि आप कम उम्र की हैं (Stage IA ,1Grade) स्टेज शुरुआती और है हुआ नहीं बच्चा ,का कैंसर है तो कुछ विशेष मामलों में बच्चेदानी बचाकर प्रोजेस्टिन दवाओं या ,है संभव इलाज से कॉइल Mirena पूरा इलाज है। जरूरी निगरानी से बायोप्सी में महीने 3 हर लिए इसके ।सके हो प्रेगनेंसी में बाद ताकि हालांकि है। सकती जा की प्लान प्रेगनेंसी से अनुमति की डॉक्टर और बाद के होनेज्यादातर मामलों में पूर्ण इलाज के लिए बच्चेदानी निकालना ही सबसे सुरक्षित है।

बचाव कैसे करें?

वजन नियंत्रण BP/शुगर ,व्यायाम मिनट 30 रोज ,नियंत्रण न नजरअंदाज को ब्लीडिंग बाद के मेनोपॉज , जांच। रोग स्त्री साल हर बाद के साल 40 और करना

याद रखें - मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग कभी सामान्य नहीं - तुरंत जांच कराएं। जल्दी पहचान ही सबसे बड़ा इलाज है।

डॉ. शिवानी भदकारिया

सहायक प्राध्यापक, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग

आर.डी. गार्डी मेडिकल कॉलेज एवं सी.आर. गार्डी हॉस्पिटल, सुरासा, उज्जैन

ओपीडी स्थान - स्त्री रोग ओपीडी, प्रथम तल

ओपीडी समय - [अपना दिन डालें - जैसे सोमवार, बुधवार, शुक्रवार - सुबह 9 से 1 बजे]